Roll No. ..... Total Pages: 04

2610

B.A./B.Ed. (Integrated) Second Year Examination, 2019

Sanskrit Litt. - II

(नाटक, छन्द–अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 80

Instructions –

Attempt **five** questions in all. The answer of essay type questions should not be more than **400** words and short answer type of questions in not more than **150** words. All questions carry equal marks.

निर्देश –

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **400** शब्दों में और लघुत्तरात्मक प्रश्न का उत्तर अधिकतम **150** शब्दों में लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1 कोई आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए शब्द सीमा 50 शब्द

(i) शकुन्तला की दोनों सखियों के नाम बताइये।

(ii) मंगलाचरण में वर्णित भगवान शिव की अष्टमूर्तियों के नाम बताइये?

(iii) 'अर्थो हि कन्या परकीय एव' सूक्ति का अर्थ बताइये?

(iv) इन्द्र के सारथि का क्या नाम है?

(v) दुष्यन्त के पुत्र का क्या नाम है?

(vi) इन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण बताइये?

(vii) रूपक अलंकार का लक्षण बताइये?

(viii) दो उपजीव्य काव्यों के नाम लिखिये?

(ix) माघ कृत महाकाव्य का क्या नाम है?

(x) भर्तृहरि के शतक त्रय के नाम लिखिए?

(xi) शिवराज विजयम् उपन्यास के लेखक का नाम बताइये?

(xii) मालविकाग्निमित्र किसकी रचना है?

(xiii) चारुदत्त एवं वसन्तसेना किस रचना के पात्र है?

(xiv) पद्मशास्त्री के प्रसिद्ध महाकाव्य का नाम लिखिये?

(xv) आदर्शरमणी उपन्यास के लेखक कौन है?

प्र.2 निम्नांकित में से किन्हीं दो श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

(अ) नीवाराः शुककोटरमुख भ्रष्टास्तरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गिुदीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगाः
स्तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखा निष्यन्दरेखांकिताः।।

(ब) चित्रे निवेश्य परिकल्पित सत्वयोगा
रूपोच्चयेन मनसा विधि ना कृता नु।
स्त्रीरत्न सृष्टिरपराप्रतिभाति सा मे
धातुर्विभुत्वमनुचिन्त्य वपुश्च तस्या।।

(स) इदमशिशिरैरन्तस्तापाद्विवर्णमणीकृत

निशि निशि भुजन्यस्तापाङ्ग प्रसारिभिर्धुभिः

अनभिलुलितज्याधातांक मुहुर्मणिबन्धना

त्कनकवलयंस्त्रस्तं स्त्रस्तं मया प्रतिसार्यते।

(द) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या

नादत्ते प्रिय मण्डनाऽपि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।

आद्ये वः कुसुमुप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः

सेयं याति शकुन्तला प्रतिग्रहं सर्वेरनुज्ञायताम्।।

प्र.3 निम्नांकित में से किन्हीं दो श्लोकों के सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

(क) भवन्तिनम्रास्तरवः फलागमै

र्नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।

अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः

स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

(ख) कार्यासैकतलीनहंसमिथुना स्त्रोतोवहा मालिनी

पादास्तामभितो निषण्णहरिणा गौरीगुरोः पावनाः।

शाखालम्बितवल्कलस्य च तरोर्निर्मातुमिच्छाम्यधः

श्रृंगे कृष्णमृगस्य वामनयनं कण्डूयमानां मृगीम्।।

(ग) आलक्ष्यदन्तमुकुलाननिमित्तहासै

रव्यक्तवर्णरमणीय वचः प्रवृत्तीन्।

अंकाश्रयप्रणयिनस्तनयान्वहन्तो

धन्यास्तदङ्गरजसा मलिनी भवन्ति।।

(घ) उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलं

धनोदयः प्राक् तदनन्तरं पयः।

निमित्तनैमित्तिकयोरयं क्रम

स्तव प्रसादस्य पुरस्तु सम्पदः।।

प्र.4 (अ) किन्हीं दो छन्दों के सोदाहरण लिखिए–

(क) आर्या

(ख) वसन्ततिलका

(ग) मालिनी

(घ) मन्दाक्रान्ता

(ब) किन्हीं दो अलंकारों के सोदाहरण लक्षण लिखिये–

(क) यमक

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) विभावना

(घ) भ्रान्तिमान

प्र.5 रामायण एवं महाभारत का तुलनात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिये।

प्र.6 निम्नांकित गद्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिये–

इस संसार में सभी लोग सुख चाहते हैं और उसके लिये दिन–रात परिश्रम करते हैं। परिश्रम के बिना किसी भी कार्य की सिद्धि नहीं होती। यदि हम सूक्ष्म रूप में इस विषय में चिन्तन करें तो पायेंगे कि देवता भी बिना परिश्रम के कार्य की सिद्धि पाने में समर्थ नहीं है। इस संसार में दो तरह के लोग दिखाई देते हैं परिश्रमी और भाग्यवादी। परिश्रम के बिना भाग्य भी फलिभूत नहीं होता।

प्र.7 किन्हीं आठ वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये–

1. तुम्हारे और बीच में हरि है।
2. ज्ञान के बिना सुख नहीं है।
3. गुरु छात्र से प्रश्न पूछता है।
4. राम ने बाण से बालि को मारा।
5. स्वाध्याय में प्रमाद मत करो।
6. आलस्य मनुष्य शरीर में स्थित महान शत्रु है।
7. सोहन कब जयपुर जायेगा?
8. पर्वतों में हिमालय सबसे ऊँचा है।
9. गंगा हिमालय से उत्पन्न होती है।
10. जाओ, विजय प्राप्त करो।

प्र.8 कालीदास की भाषा शैली की समीक्षा कीजिए।

प्र.9 अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

प्र.10 नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।